सीपीजे ने 2019 अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार (आईपीऍफ़ए) के विजेताओं की घोषणा की; विजेताओं में भारतीय पत्रकार नेहा दीक्षित भी

न्यूयॉर्क, जुलाई 16, 2019 -- कमिटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) ब्राजील, भारत, निकारागुआ और तंज़ानिया के पत्रकारों को 2019 के अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार (आईपीऍफ़ए) से दुनिया भर के लोकतंत्रों में प्रेस स्वतंत्रता के क्षरण को रोकने के लिए सम्मानित करेगा। इन पत्रकारों को अपनी ख़बर को दुनिया के सामने लाने के कारण ऑनलाइन उत्पीड़ना, कानूनी और शारीरिक खतरों एवं कारावास तक का सामना करना पड़ा है। कमिटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स पाकिस्तान के अखबार *डॉन* के संपादक **ज़फ़र अब्बास** को ग्वेन इफिल प्रेस फ्रीडम अवार्ड से सम्मानित करेगा।

कमिटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स 2019 के विजेता हैं -

पेट्रीसिया केम्पस मेलो, ब्राज़ील के दैनिक अखबार *फोल्हा दे साओ पाउलो* की रिपोर्टर और कॉलमनिस्ट, को 2018 में हुए ब्राज़ील के राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के दौरान, चुनाव प्रचार की कवरेज को लेकर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जैर बोलसोनारो के समर्थकों द्वारा ऑनलाइन हिंसा का शिकार हुईं और व्हाट्सएप पर उनके खिलाफ लगातार दुष्प्रचार किया गया।

नेहा दीक्षित भारत में एक स्वतंत्र खोजी पत्रकार हैं जो मानव अधिकारों को कवर करती हैं। दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी समूहों और पुलिस की ज्यादतियों को सामने लाने के कारण उन्हें कानूनी और शारीरिक खतरों के साथ-साथ ऑनलाइन उत्पीड़ना का भी सामना करना पड़ा।

निकारागुआ न्यूज़ चैनल *100% नोटिसियास* के संस्थापक और संपादक **मिगुएल मोरा** और समाचार निदेशक **लुसिआ पिनेडा उबाऊ** को निकारागुआ की राजनीतिक अशांति के दौरान उनकी कवरेज के लिए दिसंबर 2018 में कारावास में डाल दिया गया। उन्हें 6 महीने जेल में बिताने के बाद 11 जून 2018 को छोड़ा गया।

तंज़ानिया में अभिव्यक्ति की ऑनलाइन स्वतंत्रता के पैरोकार **मैक्सेन्स मेलो मुबयाज़ी**, जो *जामी फोरम्स* (जो तंजानिया में ऑनलाईन चर्चा और ब्रेकिंग न्यूज का एक बड़ा सोर्स है) के सहसंस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं। मेलो पर देश के प्रतिबंधात्मक साइबर अपराध अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए और उन्हें 2017 में 81 बार अदालत में पेशी के लिए बुलाया गया।

सीपीजे के कार्यकारी निदेशक जोएल साइमन ने विजेताओं की घोषणा के बाद कहा: "सीपीजे 2019 के इंटरनेशनल प्रेस फ्रीडम अवार्ड्स के विजेता सच्ची पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपना जीवन और स्वतंत्रता हमें समाचार देने के लिए समर्पित किया है। यद्यपि हम उनके साहस का जश्न मनाते हैं, हमें इसकी आवश्यकता पर खेद है। लेकिन दुखद वास्तविकता यह है कि दुनिया भर में स्वतंत्र पत्रकारिता को जनवादी अधिनायकवादियों, जो स्वतंत्र प्रेस के काम का

तिरस्कार करते हैं, द्वारा धमकी दी जाती है। यह हमारे सम्मानितों और कई अन्य के देशों में सच है।"

सीपीजे का 2019 ग्वेन इफिल प्रेस फ्रीडम अवार्ड प्रेस की स्वतंत्रता को असाधारण रूप से बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के दैनिक समाचार पत्र *डॉन* के संपादक **ज़फ़र अब्बास** को दिया जाएगा। एक रिपोर्टर के रूप में दशकों का अनुभव रखने वाले अब्बास 2010 से डॉन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में अखबार और उसके रिपोर्टर लगातार सरकार के दबाव में आते रहे हैं।

अवॉर्ड की घोषणा करते हुए सीपीजे बोर्ड की अध्यक्ष कैथलीन कैरोल ने कहा: "ज़फ़र अब्बास पत्रकारीय साहस का शानदार उदाहरण हैं, बोर्ड उन्हें ग्वेन इफिल प्रेस फ्रीडम अवार्ड से सम्मानित करके बहुत खुश है। हर दिन वे पाकिस्तान में संस्थानों के दबाव, बाधाओं, और अवरोधकों के सामने डॉन के पाठकों को तथ्य देने के लिए लड़ते हैं।"

सभी विजेताओं को CPJ के वार्षिक समारोह में सम्मानित किया जाएगा। समारोह के बाद उनके सम्मान में एक रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष के रात्रिभोज की अध्यक्षता इमर्सन कलेक्टिव के लॉरेन पॉवेल जॉब्स और पीटर लेटमैन करेंगे। पुरस्कार वितरण समारोह की वीडियोग्राफी वाइस मीडिया के द्वारा की जाएगी।

इस कार्यक्रम का आयोजन 21 नवंबर, 2019 को न्यूयॉर्क शहर के ग्रैंड हयात न्यूयॉर्क में आयोजित किया जाएगा। टेबल बुक करने संबधित जानकारी के लिए, इन नम्बरों पर सम्पर्क किया जा सकता है। (914) 579-1000, सीपीजे डेवलपमेंट ऑफिस (212) 300-9021, और ईमेल- CPJdinner@buckleyhallevents.com

संपादकों के लिए सूचना-

CPJ अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार के विजेता 21 नवंबर, 2019 को इंटरव्यू के लिए उपलब्ध रहेंगे। पुरस्कार रात्रिभोज की कवरेज के लिए मीडिया मान्यता 7 नवंबर, 2019 से शुरू होगी।

प्रेस संपर्क: press@cpj.org